2016 में सत्ता संभाली थी उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने कट्टरपंथी पूर्ववर्ती इस्लाम करीमोव के निधन के बाद। करीमोव ने लगभग तीन दशकों तक शासन किया था। अब यहां पहली बार चुनाव हो रहे हैं।

महाभियोग प्रक्रिया से बढ़ी मेरी लोकप्रियता : ट्रंप

▸ महाभियोग से संबंधित दस्तावेजों को सीनेट को नहीं सौंपने के लिए नैंसी पेलोसी की राष्ट्रपति ने की आलोचना

मियामी, एजेंसियां : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अनुचित महाभियोग प्रक्रिया से उनकी लोकप्रियता बढ़ी है। फ्लोरिडा में युवाओं के एक सम्मेलन में उन्होंने ना केवल विपक्ष पर हमला बोला बल्कि अपनी पार्टी के नेताओं पर भी निशाना साधा। ट्रंप ने महाभियोग से संबंधित दस्तावेजों को अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट को नहीं सौंपने के लिए निचले सदन प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी की आलोचना भी की। सीनेट में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत है।

फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में आयोजित युवा सम्मेलन में शनिवार को एक घंटे के भाषण में ट्रंप ने कहा, डेमोक्रेट के पास मेरे खिलाफ कोई सुबूत नहीं है। इसके बावजूद वे अवैध और असंवैधानिक महाभियोग चलाने की मांग कर रहे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि पिछले एक महीने के दौरान उन्होंने जितना काम किया है वह किसी राष्ट्रपति ने आठ वर्षों के कार्यकाल में नहीं किया। इसमें चीन के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई, रक्षा खर्च और अंतरिक्ष सेना का निर्माण शामिल है। उन्होंने आगाह किया कि अगर नवंबर, 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी जीत गई तो देश पीछे चला जाएगा। बता दें कि महाभियोग की प्रक्रिया शुरू होने के बाद विपक्षी दल हर तरह से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को घेरने पर जुटा है।

फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच के काउंटी कंवेंशन सेंटर में टर्निंग प्वाइंट यूएसए स्टूडेंट एक्शन समिट को संबोधित करते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। रायटर

अपनी किताब के जरिये भारतवंशी अमेरिकियों से जुड़ेंगे ट्रंप जूनियर

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने अपनी किताब 'ट्रिगर्ड' के माध्यम से भारतवंशी अमेरिकियों से जुड़ने की पहल की है। इसके तहत वह अगले साल कई शहरों में बुक टूर का आयोजन करने जा रहे हैं। इस काम में उनका सहयोग टीवी स्टार किंबरली गुइलफॉय करेंगे। नवंबर की शुरुआत में बाजार में आई 'ट्रिगर्ड' न्यूयॉर्क टाइम्स बेस्ट सेलर्स में शामिल हो चुकी है।

ट्रंप जूनियर की इस कवायद को जानकार अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले भारतीय मतदाताओं को लुभाने के प्रयास के तौर पर देख रहे हैं। इस कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने वाले न्यूयॉर्क स्थित वैश्विक सलाहकार अल मेसन ने कहा, अगले कुछ महीनों में ट्रंप जूनियर उन सभी प्रमुख शहरों और राज्यों का दौरा करने की योजना बना रहे हैं जहां भारतवंशियों की अच्छी-खासी तादाद है। इन शहरों में न्यूयॉर्क, शिकागो, ह्यूस्टन, डलास आदि शामिल हैं।

हमले तेज होने के बाद दो दिन में सीरिया से तुर्की पहुंचे 25 हजार लोग

अंकारा, रायटर : सीरिया के इदलिब प्रांत में हवाई हमले तेज होने के बाद पिछले दो दिनों में 25 हजार लोग भागकर पड़ोसी मुल्क तुर्की पहुंचे हैं। सीरिया की असद सरकार और उसकी सहयोगी रूसी सेना के हवाई हमलों से भयभीत लोग अपना घर-बार छोड़कर पलायन करने को मजबूर हैं।

तुर्की में पहले से ही युद्धग्रस्त सीरिया से भागे 37 लाख लोगों ने शरण ले रखी है, जो दुनिया के किसी देश में शरणार्थियों की सबसे बड़ी संख्या है। तुर्की की सरकारी न्यूज एजेंसी के अनुसार, बीते दो माह में इदलिब से पलायन करने वालों की संख्या दो लाख का आंकड़ा पार कर चुकी है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोगन ने इस पर चिंता जताते हुए बीते गुरुवार को कहा था कि युद्ध के कारण 50 हजार सीरियाई नागरिक उनके देश की तरफ बढ़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, सीरिया में विद्रोही गुटों के कब्जे वाले इलाके में रूस समर्थित सेना के हमले में इस साल सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और कई लोग घायल हो चुके है, जिन्हें इलाज भी ठीक से नहीं मिल पा रहा है।

आइटी सिस्टम में गड़बड़ी से सैकड़ों भारतीय कर्मियों का भविष्य बर्बाद

▸ ब्रिटिश हाई कोर्ट ने पोस्ट ऑफिस से जुड़े 20 साल पुराने मामलों को निस्तारित किया

लंदन, प्रेट्र : ब्रिटेन में सैकड़ों सब पोस्टमास्टर आइटी सिस्टम में आई गड़बड़ी के कारण धन चुराने के मामले के आरोपित बन गए। गलत तरीके से आरोपित हुए इन कर्मियों में से तमाम भारतीय मूल के हैं।

इसी सप्ताह हाई कोर्ट के न्यायाधीश हाई फ्रेजर ने 57.8 मिलियन पाउंड की धनराशि के मामले निस्तारित किए। ये मामले पोस्ट ऑफिस लिमिटेड और 550 दावेदारों के थे। दावेदारों के अधिवक्ता ने कहा है कि अब उनके मुवक्किल आराम से सामान्य जिंदगी जी सकते हैं। पता चला है कि करीब 20 साल पहले ज्यादातर सब पोस्टमास्टर पोस्ट ऑफिस में स्वतंत्र प्रबंधक के रूप में कार्य करते थे। उस समय धन की चोरी, धोखाधड़ी और झूठे लेनदेन के मामले अक्सर हो जाते थे। इसके लिए अकाउंटिंग सिस्टम हॉरिजन को जिम्मेदार ठहराया जाता था। लेकिन कई मामलों में सब पोस्टमास्टर जिम्मेदार ठहराए गए और उन्हें जेल भी जाना पड़ा। कोर्ट ने गड़बड़ी के तमाम मामलों पर सुनवाई पूरी करते हुए इसे हॉरिजन सिस्टम की खामी बताया जिसके चलते पोस्ट ऑफिस के बही खातों में विसंगति पैदा हुई।

ब्रिटिश हाई कोर्ट। फाइल

सन 1987 से पोस्ट ऑफिस में कार्य कर रहे भारतीय मूल के विपिन चंद्र पटेल ऑक्सफोर्डशायर के हॉर्सपाथ गांव में तैनाती के दौरान सिस्टम की गड़बड़ी के शिकार हुए। वह कहते हैं कि सिस्टम की गड़बड़ी के कारण उन पर झूठे आरोप लगे और उनका करिअर बर्बाद हो गया। उन्होंने कहा, एक समय वह समाज के स्तंभ माने जा रहे थे, बाद में उन्हें गलत ठहराकर पूरी तरह से खारिज कर दिया गया। गलत आरोप से लगे झटके ने स्वास्थ्य खराब कर दिया। नौकरी छूटने के बाद और बीमार पड़ने के कारण पत्नी को दुकान खोलनी पड़ी। लेकिन वहां भी ग्राहक उससे बुरा-भला बोलने से नहीं चूकते थे। चूंकि धन की चोरी का आरोप लगा था और आपराधिक मुकदमा चल रहा था, इसलिए थोड़ा ठीक होने पर भी कहीं नौकरी नहीं मिल सकी। इससे हालात में और गिरावट आई। इससे जीवन का मतलब ही खत्म हो गया और मन में आत्महत्या करने का विचार आने लगा। इसी तरह के मामले के शिकार बलविंदर सिंह गिल हुए। उन्हें और उनके परिवार को झूठे आरोप के चलते काफी कठिनाइयां झेलनी पड़ीं।

न्यूज गैलरी

अमेरिकी सरकार में भारतीय को मिली अहम जिम्मेदारी

ह्यूस्टन : भारतीय मूल की अमेरिकी नागरिक मोनिशा घोष को अमेरिका के संघीय संचार आयोग के मुख्य तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। घोष इस अहम पद को पाने वाली पहली महिला अधिकारी हैं। वह आयोग के प्रमुख अजित पई को सलाह देने के अलावा अमेरिका में प्रौद्योगिकी व इंजीनियरिंग मामलों पर अपना सुझाव देंगी। (प्रेट्र)

अमेरिकी सेना का छठा अंग होगा स्पेस फोर्स : ट्रंप

वाशिंगटन : ट्रंप ने ट्वीट कर अमेरिकी सेना के छठे और सबसे नए अंग की घोषणा कर दी। उन्होंने लिखा, 'अमेरिकी सरकार के सबसे बड़े रक्षा बिल पर गत रात को हस्ताक्षर होते ही अमेरिकी स्पेस फोर्स की औपचारिक शुरुआत हो गई।' स्पेस फोर्स 1947 में वायु सेना के गठन के बाद अमेरिकी सेना का सबसे नया अंग है। फिलहाल अमेरिकी एयर फोर्स स्पेस कमांड के अंतर्गत तैनात 16 हजार जवानों को स्पेस फोर्स की टीम में शामिल किया जाएगा। (एएनआइ)

आपदा के वक्त छुट्टी पर रहे पीएम मॉरिसन ने मांगी माफी

सिडनी : ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग को बुझाने में जुटे दो लोगों की मौत पर दुख जताते हुए ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने माफी मांगी है। हादसे के वक्त वह परिवार के साथ प्रशांत महासागर स्थित अमेरिका के द्वीपीय प्रांत हवाई में छुट्टी मनाने गए थे। हादसे की खबर मिलने पर वह शनिवार को ऑस्ट्रेलिया लौट आए और अगले दिन सिडनी स्थित अग्निशमन मुख्यालय का दौरा किया। (एपी)

दक्षिण यूरोप में आंधी-तूफान से आठ की मौत

पेरिस : यूरोप के दक्षिणी हिस्से के पुर्तगाल, स्पेन व फ्रांस में शुक्रवार और शनिवार को आए तेज आंधी-तूफान से आठ लोगों की मौत की खबर है। बीते दो दिनों में एक के बाद एक तेज बारिश के साथ आई प्रचंड आंधी से इन देशों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। स्पेन में 170 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज हवा के कारण कई उड़ानें रद करनी पड़ी। (एएनआइ)

अमेरिका के लास वेगास में आग से छह की मौत

लास वेगास : अमेरिका के प्रसिद्ध लास वेगास शहर के एक अपार्टमेंट में आग की घटना में छह लोगों की मौत हो गई। शनिवार तड़के लगी आग से तीन मंजिला इमारत पूरी तरह धुएं से भर गई, जिससे दम घुटने से छह लोगों की मौत हो गई। हादसे में 13 घायल भी हुए हैं। आग के लिए बिल्डिंग में अंगीठी का जलना बताया गया है। दमकलकर्मियों ने सूचना मिलते ही बचाव का शुरू कर दिया था और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। (एपी)

अफगानिस्तान में अशरफ गनी ने फिर जीता राष्ट्रपति चुनाव

मिली विजय ▸ मुख्य प्रतिद्वंद्वी अब्दुल्ला ने नतीजों को मानने से किया इन्कार

▸ 19 अक्टूबर को आने वाले थे परिणाम धोखाधड़ी के आरोपों के कारण हुई देरी

▸ फर्जीवाड़ा रोकने के लिए बायोमीट्रिक मशीनों का भी हुआ था प्रयोग

प्रारंभिक नतीजों में गनी को मिले 50.64 फीसद वोट अब्दुल्ला को मिले हैं केवल 39.52 फीसद मत

काबुल, एएफपी : अफगानिस्तान में तीन माह पहले हुए चुनाव में राष्ट्रपति अशरफ गनी की जीत हुई है। चुनाव अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक नतीजों में गनी ने राष्ट्रपति बनने के लिए जरूरी 50 फीसद वोटों का आंकड़ा पार कर लिया है। गनी की स्पष्ट जीत के बावजूद उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी अब्दुल्ला-अब्दुल्ला ने इन परिणामों को मानने से इन्कार करते हुए इसे चुनौती देने की बात कही है।

स्वतंत्र चुनाव आयोग (आइईसी) के मुताबिक 28 सितंबर को हुए चुनाव में गनी को 50.64 फीसद वोट मिले हैं जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी अब्दुल्ला-अब्दुल्ला 39.52 फीसद मत हासिल कर सके। अंतिम परिणाम घोषित होने से पहले प्रत्याशियों के पास शिकायत दर्ज कराने का मौका होगा। लेकिन जैसे ही परिणाम घोषित किए गए अब्दुल्ला-अब्दुल्ला के कार्यालय ने कहा, 'हम अपने लोगों, समर्थकों, चुनाव आयोग और अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों को फिर यह स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि हमारी टीम इस फर्जी वोटों के परिणाम को तब तक स्वीकार नहीं करेगी जब तक हमारी जायज मांगों पर ध्यान नहीं दिया जाता।' प्रारंभिक चुनाव परिणाम पहले 19 अक्टूबर को आने वाले थे, लेकिन तकनीकी मुद्दों और अब्दुल्ला-अब्दुल्ला सहित कई प्रत्याशियों द्वारा धोखाधड़ी के आरोपों के चलते इसमें देरी होती रही।

स्वतंत्र चुनाव आयोग की अध्यक्ष हवा आलम नूरिस्तानी ने कहा, हमने पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी से अपना कर्तव्य पूरा किया है। हमने हर वोट का सम्मान किया क्योंकि हम चाहते हैं कि देश में लोकतंत्र का राज कायम हो। अफगानिस्तान में हुए इस चुनाव में फर्जी वोटिंग रोकने के लिए जर्मनी की एक कंपनी ने जहां बायोमीट्रिक मशीनों की आपूर्ति की थी वहीं अनियमितताओं के चलते प्रारंभिक 27 लाख वोटरों में से लगभग दस लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए थे। यही वजह रही कि इस चुनाव में अब तक का सबसे कम मतदान प्रतिशत रहा।

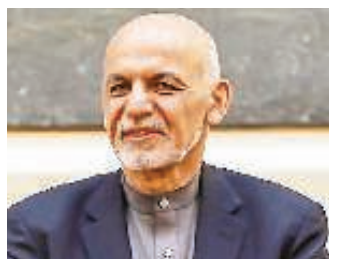

काबुल में एक प्रेस वार्ता के दौरान अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी। रायटर

संसदीय चुनाव परिणाम की घोषणा करतीं चुनाव आयोग की प्रमुख हवा आलम नूरिस्तानी। रायटर

हाफिज पर आतंकी फंडिंग के एक और मामले में आरोप तय

लाहौर, आइएएनएस : पाकिस्तान की आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) ने जमात-उद-दावा (जेयूडी) के प्रमुख हाफिज सईद और उसके सहयोगियों पर आतंकी फंडिंग के एक और मामले में आरोप तय किए हैं। यह मामला आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) गुजरांवाला ने दर्ज किया था। सईद पर आतंकी फंडिंग और मनी लांड्रिंग से जुड़े दो दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं। सुरक्षा कारणों से सभी मामले लाहौर की आतंकवाद रोधी अदालतों में चलाए जा रहे हैं।

हाफिज सईद।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, हाफिज सईद और अन्य आरोपितों को एटीसी जज के समक्ष पेश किया गया। अदालत में आतंकी सरगना सईद और अन्य आरोपितों ने एफआइआर में उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों को गलत बताया। इसके बाद कोर्ट ने जेयूडी नेताओं के खिलाफ आरोप तय किए और अभियोजन पक्ष को अगली सुनवाई में गवाह पेश करने के लिए कहा। अंतरराष्ट्रीय दबाव के बाद गत तीन जुलाई को जेयूडी के 13 शीर्ष नेताओं के खिलाफ आतंकवाद रोधी अधिनियम 1997 के तहत आतंकी फंडिंग और मनी लांड्रिंग के दो दर्जन मामले दर्ज किए गए थे। सईद को गत 17 जुलाई को गुजरांवाला से गिरफ्तार किया गया था। बाद में अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था।

क्यूबा में 43 साल बाद हुई प्रधानमंत्री की नियुक्ति

मैनुएल मरेरो क्रज (मध्य में) की 43 साल बाद क्यूबा के प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्ति की गई है। राजधानी हवाना में नेशनल असेंबसी में सत्र के दौरान उपस्थित क्रज। एएफपी

हवाना, आइएएनएस : अमेरिका के पड़ोस में स्थित क्यूबा में 43 साल बाद प्रधानमंत्री की नियुक्ति की गई है। राष्ट्रपति मिगेल डियाज कानेल ने 56 साल के मैनुएल मरेरो क्रज को प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। देश की संसद ने शनिवार को सर्वसम्मति से उनके नाम पर मुहर लगा दी।

कम्युनिस्ट देश क्यूबा में प्रधानमंत्री का ओहदा राष्ट्रपति और कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख के बाद सबसे महत्वपूर्ण पद है। इससे पहले इस पद पर अंतिम बार क्यूबा के कद्दावर नेता फिदेल कास्त्रो आसीन थे। क्यूबा में लंबे समय तक कम्युनिस्ट शासन की बागडोर अपने हाथों में रखने वाले क्रांतिकारी नेता कास्त्रो ने 1976 में प्रधानमंत्री का पद खत्म कर दिया था। इस साल सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी की अगुआई में बने नए संविधान में इस पद को फिर से स्थापित कर दिया गया। इसके बाद इस पद पर पहली नियुक्ति क्रज की हुई है। इससे पहले तक क्रज देश के पर्यटन मंत्री थे। कास्त्रो ने 2004 में उन्हें पर्यटन मंत्री बनाया था।

क्यूबा के नए संविधान के मुताबिक प्रधानमंत्री देश के राष्ट्रपति के कामकाज में सहायता करेंगे। उन्हें हर दिन के कामकाज का लेखा-जोखा राष्ट्रपति को सौंपना होगा। क्यूबा के राष्ट्र प्रमुख के रूप में राष्ट्रपति कानेल का ही नाम रहेगा। लेकिन सत्ता का केंद्र कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख राउल कास्त्रो के हाथ में रहेगा।

ग्रीटिंग में चीन के कैदी की गुहार पर टेस्को ने उत्पादन रोका

▸ ब्रिटिश कंपनी ने चीनी बंधकों से काम कराने पर जताई अनभिज्ञता

लंदन, एएफपी : ब्रिटेन की सुपर मार्केट कंपनी टेस्को ने चीन में अपनी एक उत्पादन फैक्ट्री में काम रोक दिया जब वहां छपे एक क्रिसमस ग्रीटिंग कार्ड में चीन में बंदी एक कार्ड बनाने वाले ने मदद और मुक्त कराने की गुहार लगाई। उस ग्रीटिंग कार्ड में बंधक विदेशी मजदूर ने लिखा था कि उसे बंदी बनाकर उससे मर्जी के खिलाफ काम कराया जा रहा है।

द संडे टाइम्स अखबार में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार लंदन की एक छात्रा (फ्लोरेंस विडीकंबे) ने जब पिछले सप्ताहांत एक ग्रीटिंग कार्ड का पैकेट खोला तो उसमें एक ग्रीटिंग में एक मजदूर के हाथ का लिखा संदेश मिला। इस संदेश में चीन के शंघाई स्थित किंगपू जेल के एक कैदी ने अपनी पीड़ा बयान की थी। उसने टेस्को कंपनी के चैरिटी कार्ड के अंदर लिखा था, 'चीन के शंघाई स्थित किंगपू जेल में हम सभी विदेशी कैदी हैं। हम सबसे हमारी इच्छा के विरुद्ध काम कराया जा रहा है। कृपा कर हमारी मदद कीजिए और मानवाधिकार संगठनों को भी इसकी जानकारी दीजिए।'

टेस्को कंपनी की एक महिला प्रवक्ता ने यह प्रकरण सामने आने के बाद स्तब्धता जाहिर करते हुए कहा कि सेंटा की हैट पहनी एक बिल्ली की तस्वीर वाले ग्रीटिंग कार्ड से हकीकत सामने आने के बाद उस फैक्टरी में उत्पादन तत्काल बंद कर दिया गया है। साथ ही जांच होने वहां बनाए गए ग्रीटिंग की कार्ड की बिक्री भी रोक दी गई है। हम कैदियों से काम कराने का विरोध करते हैं और अपनी आपूर्ति प्रक्रिया में कभी भी इसकी अनुमति नहीं दे सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि टेस्को ब्रिटेन की सबसे बड़ी रिटेल कंपनी है और विश्व में तीसरी सबसे बड़ी सुपरमार्केट कंपनी भी है।

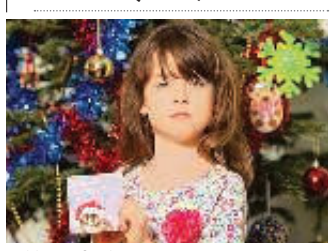

फ्लोरेंस विडीकंबे। साभार : द गार्जियन

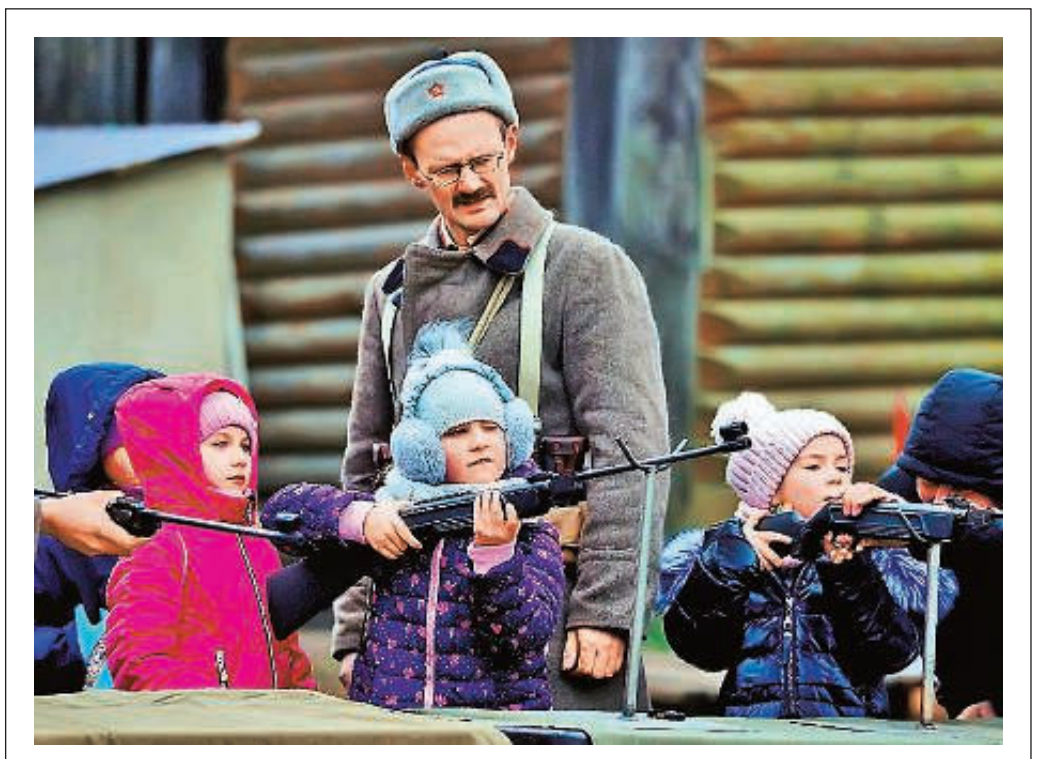

निशाने पर नजर

बेलारूस के गोरोस्की में स्टालिन लाइन स्मारक के पास न्यूमैटिक राइफल से टारगेट पर निशाना लगाते बच्चे। स्टालिन लाइन स्मारक में सैन्य शौकीनों के लिए टैंकों, मिसाइलों, हेलीकॉप्टर्स और सोवियत युद्ध के सभी अन्य तरीकों का संग्रहालय है। यहां हजारों देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। रायटर

भारतीयों की मदद के लिए प्रवासी समुदाय को शामिल किया जाए

वाशिंगटन, प्रेट्र : पैसों की कमी के चलते अपने नागरिकों की मदद कर पाने में भारतीय दूतावासों की असमर्थतता को देखते हुए एक प्रख्यात प्रवासी भारतीय (एनआरआइ) ने विदेशों में संकट में फंसे भारतीयों को त्वरित आर्थिक मदद पहुंचाने के लिए प्रवासी समुदाय, आइसीडब्ल्यूएफ और अन्य प्रतिष्ठित संगठनों एवं व्यक्तियों को इस प्रक्रिया में शामिल करने का आह्वान किया है। भारतीय समुदाय कल्याण निधि (आइसीडब्ल्यूएफ) का गठन 2009 में किया गया था। इसका मकसद संकट और आपातकाल में विदेशों में मौजूद ऐसे भारतीय नागरिकों की सहायता करना है जिन्हें सबसे ज्यादा इसकी जरूरत हो।

भारत सरकार ने 2017 में, दूतावासों एवं वाणिज्य दूतावासों को प्रत्येक निधि की अदायगी के लिए नई दिल्ली से अनुमति लेने संबंधी निर्णय निर्धारण प्रक्रिया का विकेंद्रीकरण कर दिया था। न्यूयॉर्क के प्रेम भंडारी ने कहा कि वह भारत सरकार से अपील करते हैं कि प्रवासी भारतीयों और प्रवासी भारतीय समुदायों को आइसीडब्ल्यूएफ में खुले दिल से योगदान करने की अनुमति दे। उन्होंने यह मुद्दा विदेश मंत्रालय के समक्ष उठाया है।

भारत और ईरान रणनीतिक चाबहार परियोजना में तेजी लाने पर सहमत

तेहरान, प्रेट्र : भारत और ईरान रणनीतिक चाबहार परियोजना को पूरा करने में तेजी लाने पर सहमत हुए और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष जवाद जरीफ के साथ पारस्परिक हितों से जुड़े क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक बातचीत की।

चाबहार बंदरगाह को भारत, ईरान और अफगानिस्तान संयुक्त रूप से विकसित कर रहे हैं। इस परियोजना को तीन देशों के मध्य एशियाई देशों के साथ व्यापार के सुनहरे अवसरों के लिए प्रवेश द्वार माना जाता है। जयशंकर दो दिवसीय ईरान यात्रा पर हैं। उन्होंने जरीफ के साथ 19वें संयुक्त आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता की। उनके ईरानी राष्ट्रपति हसन रुहानी से मुलाकात करने की भी उम्मीद है। जयशंकर ने बैठक के बाद ट्वीट किया कि सह-अध्यक्ष विदेश मंत्री जरीफ के साथ भारत-ईरान संयुक्त आयोग की सार्थक बैठक संपन्न हुई।

उन्होंने कहा, 'अपने सहयोग के पूरे आयाम की समीक्षा की। अपनी चाबहार परियोजना की गति तेज करने पर सहमत हुए।' अमेरिका ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के मामले में भारत को प्रतिबंधों से छूट दी है क्योंकि वाशिंगटन का कहना है कि यह रणनीतिक परियोजना युद्धग्रस्त अफगानिस्तान के लिए भारत से मानवीय आपूर्ति प्राप्त करने के लिए जीवनरेखा है। जयशंकर ने जरीफ को उनके सौहार्दपूर्ण स्वागत और सत्कार के लिए धन्यवाद दिया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का रविवार को तेहरान पहुंचने पर उनके ईरानी समकक्ष जवाद जरीफ ने गर्मजोशी से स्वागत किया। एपी

हांगकांग में उइगर मुस्लिमों के समर्थन में प्रदर्शन

हांगकांग, रायटर : हांगकांग ने रविवार को चीन की मुश्किलों में और इजाफा कर दिया। लोकतंत्र की मांग कर रहे आंदोलनकारी चीन के शिनजियांग प्रांत में उइगर मुसलमानों के उत्पीड़न के विरोध में सड़क पर उतर आए। एक हजार से ज्यादा हांगकांग वासियों ने हाथों में उइगर झंडे और समर्थन में नारे लगे पोस्टर लेकर शहर के मध्य स्थित आर्थिक क्षेत्र में प्रदर्शन किया। छह महीने से चल रहे आंदोलन में पहली बार उइगरों का मुद्दा शामिल हुआ है।

युवाओं और बुजुर्ग आंदोलनकारियों ने काले कपड़े और फेस मास्क लगाकर महानगर के मध्य स्थित अति व्यस्त इलाके में प्रदर्शन किया। ये लोग उइगरों को आजाद करो...हांगकांग को आजाद करो...के नारे लगा रहे थे। वे हांगकांग की स्वायत्तता को भी झूठा करार दे रहे थे। हांगकांग के प्रदर्शन में शामिल 41 वर्ष की सरनेम वांग वाली महिला ने कहा, स्वतंत्रता सभी को मिलने चाहिए। वे चाहे हांगकांग के लोग हों या किसी अन्य इलाके के। वांग अपने पति के साथ प्रदर्शन में शामिल होने आई थीं। हांगकांग में यह विरोध प्रदर्शन ब्रिटिश फुटबाल क्लब आर्सेनल के मिडफील्डर मेसुत ओजिल के उइगरों के मुद्दे पर चीन की निंदा करने के बाद हुआ है। मेसुत तुर्की मूल के जर्मन खिलाड़ी हैं।

चीन के सीमावर्ती प्रांत शिनजियांग में करीब दस लाख उइगर सरकारी शिविरों में नजरबंद हैं। चीन सरकार इसके पीछे उनमें कट्टरता को दूर कर राष्ट्रवाद की शिक्षा देने का कारण बताती है। अल्पसंख्यकों की नजरबंदी का मामला संयुक्त राष्ट्र में भी उठ चुका है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देश चीन के इस कदम की निंदा कर चुके हैं।

हांगकांग में रविवार को उइगर मुस्लिमों के समर्थन में प्रदर्शन करते लोग। रायटर

भारत और अमेरिका की दोस्ती को और मजबूत बनाने वाला बिल पेश

प्रगाढ़ होंगे संबंध

▸ शिक्षा, विवादों के निपटारे और विकास योजनाओं में सहयोग बढ़ेगा

▸ जॉर्जिया से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद जॉन लेविस ने पेश किया विधेयक

वाशिंगटन, एएनआइ : भारत और अमेरिका के संबंधों में मजबूती लाने के लिए एक और विधेयक अमेरिकी संसद में पेश हो गया है। प्रतिनिधि सभा में पेश इस विधेयक में शिक्षा, विवादों के निपटारे और विकास योजनाओं में सहयोग बढ़ाने का प्रावधान है।

जॉर्जिया से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद जॉन लेविस ने यह विधेयक पेश करते हुए कहा कि इसके पारित होने से भारत के साथ अमेरिका की दोस्ती और मजबूत होगी। दोनों देश विकास और अन्य कार्यों के लिए आपसी सहयोग को बढ़ा सकेंगे। बिल एचआर-5517 को छह अन्य सांसदों का सहयोग भी हासिल है। सभी सांसद डेमोक्रेटिक पार्टी के हैं, जिनमें तीन भारतीय मूल के हैं। इनमें प्रमिला जयपाल भी शामिल हैं जिन्होंने प्रतिनिधि सभा में अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में लगी बंदिशों का मामला उठाया था। हाल ही में अमेरिका गए भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसी के चलते उनसे मिलने से इन्कार कर दिया था। प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक पार्टी का बहुमत है।

सांसद लेविस को सामाजिक अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले मार्टिन लूथर किंग की नीतियों का समर्थक माना जाता है। भारत के साथ संबंधों को मजबूत बनाने वाला यह विधेयक महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में पेश किया गया है। अमेरिका में प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नेंसी पेलोसी महात्मा गांधी की नीतियों की बड़ी समर्थक मानी जाती हैं। वह भारत के स्वतंत्रता संग्राम के बारे में बचपन से ही पढ़ती आ रही हैं।